

2
24/2

संख्या-18/XLI-I/2011-29/09टी.सी.

प्रेषक,

ओपीओतिवारी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

सचिव,
उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद,
रूड़की (हरिद्वार)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग

देहरादून: दिनांक 23 फरवरी, 2011

विषय:- उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 में
धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-3413/उ0प्रा0शि0प0/लेखा/बजट-2010-11, दिनांक 23.12.2010 एवं निदेशक प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखण्ड, श्रीनगर के पत्र संख्या-91/नि0प्रा0शि0/एका0तीन-01/2010-11, दिनांक 24.12.2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-11 के आयोजनेत्तर पक्षान्तर्गत उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा विभिन्न मानक मदों तथा सामान्य पालीटेक्निक संस्थाओं के अन्तर्गत 03-मंहगाई भत्ता मद में उपलब्ध बचत धनराशि में से निम्न विवरणानुसार व्यावसायिक एवं विशेष सेवायें तथा प्रकाशन मद में कुल ₹75,00,000/- (रुपये पचहत्तर लाख मात्र) की धनराशि संलग्न बी0एम0-15 प्रपत्र के अनुसार पुनर्विनियोजन करते हुये व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र0सं0	मानक मद	स्वीकृत धनराशि
1--	16-व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	50.00
2--	18-प्रकाशन	25.00
	कुल योग-	75.00

(रुपये पचहत्तर लाख मात्र)

2- व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

3- किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रो.प्योरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारी प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम),

आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4- यह उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

5- बजट मैनुअल पैरा-88 के अनुसार नियंत्रक अधिकारी या विभागाध्यक्ष, जैसी भी स्थिति हो इस बात को सुनिश्चित करने हेतु उत्तरदायी होंगे कि वित्तीय स्वीकृतियों के समक्ष व्यय के अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय और यदि किसी मामले में सीमाधिक व्यय दृष्टिगोचर हो तो उसे तत्काल शासन के संज्ञान में लाया जाय। बी.एम-13 पर नियमित रूप से सूचना विलम्बतः 15 तारीख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध करायी जाय। बजट मैनुअल के विभिन्न प्रपत्रों के माध्यम से भेजी जाने वाली सूचना समय से भेजा जाना सुनिश्चित किया जाय।

6- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल चालू स्वीकृति योजनाओं पर ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

7- अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।

8- आयोजनागत पक्ष में स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्धारित परिव्यय की सीमान्तर्गत ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

9- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2203-तकनीकी शिक्षा-800-अन्य व्यय-03-प्राविधिक शिक्षा एवं परीक्षा परिषद की सुसंगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा तथा संलग्न बी0एम0-15 के कॉलम-1 की बचतों से वहन किया जायेगा।

10- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-462(NP)/XXVII(3)/2010-11 दिनांक 23.02.2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

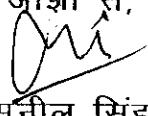
भवदीय,

(ओ0पी0तिवारी)
उप सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड ऑबेरॉय बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखण्ड, श्रीनगर।
4. कोषाधिकारी, पौड़ी/रूड़की, हरिद्वार।
5. वित्त(व्यय नियंत्रक) अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन।
6. बजट रोजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 7. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून।
8. ग्राहक फाइल।

आज्ञा से,

(सुनील सिंह)
अनु सचिव

प्रपत्र बी.एम-15 (सी-158)

नियंत्रक अधिकांश शांति, तकनीकी शिक्षा उत्तराखण्ड शासन
अनुदान संख्या:-11 आयोजनेत्तर

प्रशासकीय विभाग प्रशिक्षित शिक्षा विभाग
(धनराशि हजार में)

वजेट प्राविधान तथा लेखा भाग का विवरण (मानक मद)	मानक मदवार अथवा अधिक व्यय	वित्तीय वर्ष की शेष अवधि में व्यय	अवशेष (सरस्वत धनराशि)	लेखा भाग के तहत स्थानान्तरित किया जाना है (मानक मद)	पुनर्विनियोग के बाद कॉलम-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद कॉलम-1 की अवशेष धनराशि	अन्य
1	2	3	4	5	6	7	8
2203-तकनीकी शिक्षा-800-अन्य व्यय-00-आयोजनेत्तर-03-उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा एवं परीक्षा परिषद-01-वर्तन 6000	2543	1457	2000	2203-तकनीकी शिक्षा-800-अन्य व्यय-00-आयोजनेत्तर-03-उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा एवं परीक्षा परिषद 16-व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं-5000 18-प्रकाशन 2500	5500 4000	0	कॉलम-1 में उल्लिखित मद में सम्भावित बचत होने तथा कॉलम-5 में उल्लिखित मद में धनराशि की आवश्यकता के दृष्टिगत पुनर्विनियोग द्वारा धनराशि का प्रस्ताव है।
03-महंगाई भत्ता 2100	834	466	800			0	
05-स्थापना भत्ता 100	19	11	70			0	
06-अन्य भत्ते 660	219	141	300			0	
10-जल कर/जल प्रभार 30	0	0	30			0	
योग- 8890	3615	2075	3200				
2203-तकनीकी शिक्षा-105-गृहस्थ (पालीटेक्निक) विद्यालय-00-आयोजनेत्तर-03-सामान्य पालीटेक्निक 55125	29807	21018	4300			0	
योग- 55125	29807	21018					
कुल योग 64015	33422	23093	7500	7500	11500	0	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग से वजेट में कुल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 में उल्लेखित प्रतिबन्धों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(ओपीओतिधारे)
उप सचिव

संयुक्त संसदीय समिति
वित्त(उप) विभाग, संयुक्त संसदीय समिति
सं. सं. 462 (NP) - 2010-11
उत्तराखण्ड विधानसभा, देहरादून, 2011

सं. सं. में

महाराष्ट्र राज्य सरकार, नगरपालिका एवं विकास
औद्योगिक विभाग, नगरपालिका एवं विकास

संख्या व दिनांक तद्वैव

प्रतिनिधि निम्नलिखित एवं सूचनार्थ एवं आवश्यकता हेतु प्रेषित-

1. निदेशक प्राथमिक शिक्षा उत्तराखण्ड क्षेत्रीय बोर्ड।
2. निदेशक, कृषिपाल एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड
3. वरिष्ठ कृषिपाल, फौदी / कृषिपाल, रुड़की।
4. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3
5. गार्ड फाईल।

(आर.सी.शर्मा)
संयुक्त सचिव, वित्त
उत्तराखण्ड शासन

आज्ञा से
22/09/11
(ओपीओतिवारी)
उप सचिव